कुल प्रश्नों की संख्या : 14]
Total No. of Questions : 14]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8
[Total No. of Printed Pages : 8

C-232010-B

विषय : हिन्दी
Subject : Hindi

समय : 3 घंटे]
Time : 3 Hours]

[पूर्णांक : 80
[Maximum Marks : 80

निर्देश : (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों – 'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(iii) खण्ड 'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(iv) खण्ड 'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिये गये हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(v) खण्ड 'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(vi) खण्ड 'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

downloaded from StudentSuvidha.com

खण्ड - क

प्र.–1. अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मनुष्य नाशवान प्राणी है। वह जन्म लेने के बाद कभी-न-कभी मरता अवश्य है। अन्य लोगों के समान महापुरुष भी नाशवान हैं। वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड़ देते हैं, लेकिन वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों द्वारा याद किये जाते हैं।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

उनके ये कार्य चिरस्थायी होते हैं और समय के साथ-साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं। ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं, वे स्थायी होते हैं और परिवर्तित परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार अपने को ढाल लेते हैं। संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक में जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया है, उनमें गाँधी जी को यदि आज भी नहीं माना जाता तो भी भविष्य में उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा क्योंकि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को विभिन्न भागों में नहीं बाँटा, अपितु जीवनधारा को सदा एक और अविभाज्य माना। जिन्हें हम सामाजिक, आर्थिक और नैतिक के नाम से पुकारते हैं, वे वस्तुतः उसी धारा की उपधाराएँ हैं, उसी भवन के अलग-अलग पहलू हैं। गाँधी जी ने मानव-जीवन के इस नव-कथानक की व्याख्या न किसी हृदय को स्पर्श करने वाले वीर-काव्य की भाँति की और न ही किसी दार्शनिक महाकाव्य की भाँति ही। उन्होंने मनुष्यों की आत्मा में अपने को निम्नतम रूप में उचित कार्य के प्रति निष्ठा, किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा और किसी विचार के प्रति समर्पण के मध्य सतत् चलने वाले संघर्ष के नाटक की भाँति माना है। उन्होंने सदा साध्य को ही महत्व नहीं दिया, बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा। साध्य के साथ-साथ उसकी पूर्ति हेतु अपनाए गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए।

(i) महापुरुषों को क्यों याद किया जाता है ? **2**

(ii) गाँधी जी को भविष्य में सबसे बड़ा क्यों माना जाएगा ? **2**

(iii) गाँधी जी ने मानव जीवन की व्याख्या किस प्रकार की थी ? **2**

(iv) साध्य और साधन के संदर्भ में गाँधी जी के विचार क्या थे ? **2**

(v) सामान्य मनुष्य और महापुरुष में क्या भेद है ? **2**

(vi) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। **1**

(vii) नाशवान में 'वान्' प्रत्यय लगा है। वान् प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाइये। **½+½=1**

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

प्र.-2. अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मैंने पूछा ओशो रजनीश से–
'क्या हमारे पूर्वज बन्दर थे ?
वे बोले, 'प्रश्न सामयिक है, मजेदार है
लेकिन एक बार बन्दर से भी पूछ कर देख लो
कि क्या उसे आज के मनुष्य का
पूर्वज बनना स्वीकार है ?
वह इनकार कर देगा, व शर्म के मारे डूब मरेगा
या कोई आदमी जैसा चालाक बन्दर रहा
तो अदालत में मानहानि का दावा कर देगा
कि हुजूर हम बन्दरों की प्रतिष्ठा को मिट्‌टी में मिलाया जा रहा है
इस भ्रष्ट और हिंसक मनुष्य को, हमारा वंशज बताया जा रहा है
मनुष्य होना एक दुर्लभ घटना है।
मनुष्य अभी मनुष्य नहीं बना है!

downloaded from StudentSuvidha.com

(i) ओशो रजनीश से क्या पूछा गया ? 1

(ii) मानहानि का दावा कौन और क्यों करेगा ? ½+½=1

(iii) मनुष्य के बारे में बंदर की क्या विचारधारा हो सकती है ? 1

(iv) ओशो रजनीश के अनुसार प्रश्न कैसा है ? 1

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

खण्ड - ख

प्र.-3. निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए : **1+3+1=5**

(क) पर उपदेश कुशल बहुतेरे।

(ख) मेक इन इंडिया।

(ग) वन रहेंगे, हम रहेंगे।

(घ) क्यों न परहेज करें हम पॉलिथीन से।

प्र.-4. अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने और जागरूकता बढ़ाने हेतु छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2022-23 का आयोजन करवाने पर सरपंच की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए एक पत्र लिखिए। **1+3+1=5**

अथवा

सड़क चौड़ीकरण के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर हरियाली को नुकसान पहुँचाया जा रहा है। ध्यानाकर्षण कराते हुए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

प्र.-5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

(क) संपादन के किसी एक सिद्धान्त को लिखिए। **1**

(ख) प्रिंट माध्यम के अन्तर्गत आने वाले दो माध्यमों का उल्लेख कीजिए। **½+½=1**

(ग) खोज परक पत्रकारिता किसे कहा जाता है ? **1**

(घ) भारत में कौन-कौन से समाचार-पत्र इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। (कोई दो) लिखिए। **½+½=1**

प्र.-6. कविता कैसे बनती है ? लिखिए। **3**

अथवा

नाटक लेखन मे कथ्य का क्या महत्व है ?

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

प्र.-7. 'युवाओं में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति' विषय पर आलेख लिखिए। 3

अथवा

'अध्ययन का आनंद' पर फीचर लिखिए।

खण्ड - ग

प्र.-8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे

भोर का नभ

राख से लीपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से

कि जैसे धुल गई हो।

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

मल दी हो किसी ने

नील जल में या किसी की

गौर झिलमिल देह

जैसे हिल रही हो।

और ....

जादू टूटता है इस उषा का अब

सूर्योदय हो रहा है।

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(क) उषा से क्या तात्पर्य है ? उषा का जादू कब टूटता है ? 1+1=2

(ख) आकाश के लाल रंग की तुलना किस-किस प्रकार से की गई है ? 2

(ग) चौका अभी गीला पड़ा है, कैसे ? चौका क्या है ? 1+1=2

प्र.-9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2=4

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

(क) काव्यांश के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) काव्यांश में किन अलंकारों का प्रयोग किया गया है ?

प्र.-10. (क) पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं- बच्चों का उड़ान से कैसा संबंध बनता है। 3

(ख) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है ? 3

प्र.-11. अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=6

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है जेब भरी हो, मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालूम होता है यह भी लूँ वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी है और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी की और खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी ?

(क) बाजार के जादू की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(ख) बाजार का जादू कब-कब खूब चलता है ?

(ग) बाजार के जादू का असर उतरने पर क्या होता है ?

प्र.-12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) पहलवान की ढोलक पाठ में कौन-सी महामारी फैलने से गाँव की दयनीय स्थिति को चित्रित किया गया है। 1

(ख) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे सम्पन्न बनाया ? चार्ली के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं को लिखिए। 3

(ग) जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी कारण कैसे बनती रही है ? क्या यह स्थिति आज भी है ? 3

(घ) दूर के ढोल सुहावने होते हैं क्योंकि उनकी कर्कशता दूर तक नहीं पहुँचती। परन्तु उसकी कर्कशता समीपस्थ लोगों को भी कटु प्रतीत नहीं होती ? क्यों ? 3

प्र.-13. सिल्वर-वैंडिंग के आधार पर 'जो हुआ होगा' वाक्य की आप कितनी अर्थ छवियाँ खोज सकते हैं ? 1+1+1+1=4

अथवा

'सिल्वर-वैंडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

प्र.-14. (i) 'सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था, कैसे ? 4

अथवा

"काश कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफसोस, ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला।" क्या आपको लगता है कि ऐन के इस कथन में उसके डायरी लेखन का कारण छिपा है ?

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ii) 'सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्यबोध है, जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था', ऐसा क्यों कहा गया ? **4**

अथवा

'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ?

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com